

श्री/व/२

पत्रावली पेश हुई। काशी केलाशा पुत्र यश आर।
प्रा०पत्र वास्ते विज्ञ करे काऽ विभाजन श्यायी निषेधाशा
मु०न० 125/66 नवीन न० 141/21 व मु०न० 82/17 पेश

~~केलाशा
पुत्र
यश~~

किया गया। जो शान्तिविल डिजल किया गया।
प्राची/वाडी केलाशा पुत्र यश की पहचान वकिल
वाडी बंकाज कुार श्यायी आर। की गई। प्राची/वाडी

केलाशा यश भीरा पुत्र यश भीरा आर। प्राची/वा
पेश कर निवेदन किया कि वे अपने काऽ को
आगे चलाना नहीं चाहते। अतः काऽ वाडी विज्ञ
प्रकारों प्राची/वाडी का लावन विज्ञ पर प्राची/वाडी
को नोट्स करवाया गया। वकिल वाडी बंकाज श्यायी
से Identity करवाया गया। प्राची का प्राची/वा
पर रबीकार करने में व्यापारालय को कोई एडवांस नहीं
है। अतः -आथाहित में प्रा०पत्र प्राची रबीकार विज्ञा/संकेत
काऽ वाडी विज्ञ किये जाने की आवश्यकता ही नहीं है। प्रकार
इसी तरह पर रबीज प्रमाया जाकर निरन्तरित किया गया
है। पत्रावली केवल श्यायी संकेत न० से कम हो कारखाने पर

mu